दैनिक भास्कर

कार्रवाई:बरमसिया में नकली मोबिल फैक्ट्री का खुलासा संचालक व डिस्ट्रीब्यूटर समेत चार हिरासत में, एसडीओ की अगुवाई में धनसार पुलिस ने मारा छापा

धनबाद3 दिन पहले

नकली ढक्कन देखते एसडीओ।

- अवैध माेबिल फैक्ट्री संचालक तपन उर्फ तपेश्वर विश्वास, डिस्ट्रीब्यूटर व ई-रिक्शा चालक काे पुलिस हिरासत में लिया

बरमसिया एफसीआई गाेदाम के पीछे कुर्मी तालाब के समीप एक आवास में शुक्रवार काे एसडीओ सुरेंद्र कुमार ने छापेमारी कर नकली माेबिल बनाने की फैक्ट्री का भंडाफाेड़ किया। गुप्त सूचना मिलने के बाद एसडीओ धनसार पुलिस के साथ आवास में पहुंचे। एक छाेटे से कमरे में दाे साै लीटर के दाे ड्रम, 20 लीटर के तीन खाली जार, नाै कार्टून नकली माेबिल, जला हुआ माेबिल, फिल्टर, पैकिंग मशीन, माेबिल काे कलर देने के लिए प्रयुक्त लाल रंग के अलावा काफी संख्या में चार बड़ी इंजन ऑयल कंपनियाेंं के रैपर, कूपन, स्टीकर, कवर, खाली डिब्बे व ढक्कन मिले हैं, जिन्हे पुलिस ने जब्त कर लिया।

अवैध माेबिल फैक्ट्री संचालक तपन उर्फ तपेश्वर विश्वास, डिस्ट्रीब्यूटर व ई-रिक्शा चालक काे पुलिस हिरासत में लिया। बताया जा रहा है कि संध्या झा के मकान में पिछले चार सालाेंं से यह नकली फैक्ट्री चल रही थी। गल्फ कंपनी के प्रतिनिधि विप्लव घाेष ने इस मामले की लिखित शिकायत धनसार थाना में की है। नकली माेबिल बनाए जाने की सूचना पर विप्लव घाेष की टीम चार महीने से नकली फैक्ट्री का पता लगा रही थी। गुरुवार को टीम ग्राहक बन फैक्ट्री पहुंच जानकारी जुटाई थी।

बड़ी कंपनियों के नाम पर बने मोबिल की रिपेयरिंग सेंटर व गैरेजों में की जाती थी सप्लाई

इसी कमरे में बनता था नकली मोबिल।

गैरेजों से जले मोबिल व डिब्बों की होती थी खरीद

बताया जा रहा है कि नकली माेबिल बनाने का बड़ा रैकेट है, जाे दिल्ली और काेलकाता से जुड़ा हुआ है। गैराजों से 10 रुपए लीटर में जला हुआ माेबिल और खाली डिब्बे खरीदे जाते हैं। फिर इंजन ऑयल कंपनियों के स्टीकर, कूपन, रैपर व ढक्कन दिल्ली व काेलकाता से मंगाया जाता था।

ऐसे बनता था नकली माेबिल

मोटर मैकेनिकों और गैराजों से खरीदे गए जले मोबिल काे फिल्टर में डालकर साफ कर कंपनी के कलर के हिसाब से उसमें रंग मिलाया जाता था। फिर नकली स्टीकर, रैपर लगे डिब्बे में पैक कर ढक्कर लगा खपाया जाता था।

60 में मोबिल तैयार, 320 में बिक्री

तपन के मुताबिक 60 रुपए में एक लीटर माेबिल तैयार कर गैरेजों 120-130 रुपए में सप्लाई करता था। डिब्बे पर कंपनी का निर्धारित मूल्य 340 रुपए अंकित हाेता है, जिसे 320 में ग्राहकाें काे बेचा जाता था।

नकली मोबिल से गाड़ियों के इंजन को नुकसान

विप्लव के मुताबिक असली माेबिल सिंथेटिक हाेता है, जबकि नकली माेबिल की गुणवत्ता बेहद खराब हाेती है। नकली माेबिल से गाड़ी के इंजन काे काफी नुकसान पहुंचता है।

छापेमारी में नकली माेबिल बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई है। संचालक समेत चार को हिरासत में लिया गया है। कंपनी के प्रतिनिधि ने लिखित शिकायत दी है। जांच हो रही है।"

Source: https://www.bhaskar.com/local/jharkhand/dhanbad/news/disclosure-of-fake-mobil-factory-in-barmasia-in-four-custody-including-operator-and-distributor-dhansar-police-led-by-sdo-raided-127732370.html